M.A. Examination, 2018
Semester-I
Hindi
Course : I
(छायावादी काव्य)

Time : 3 Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2×8=16

(क) समरस थे जड़ या चेतन, सुन्दर साकार बना था;
चेतनता एक विलसती आनंद अखण्ड घना था।

(ख) ले चला साथ मैं तुझे कनक
ज्यों भिक्षुक लेकर, स्वर्ण सनक
अपने जीवन की, प्रभा विमल
ले आया निज गृह-छाया-तल

(ग) इन आँखों के रस से गीली,
रज भी है दिव से गर्वीली!
मैं सुख से चंचल दुःख बोझिल
क्षण-क्षण का जीवन जान चली।

(घ) देख वसुधा का यौवन भार
गूँज उठता है जब मधुमास,
विधुर उर के-से मृदु उद्‌गार
कुसुम जब खुल पड़ते सोच्छ्‌वास।

2. निम्नलिखित में से किन्ही **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×12=24

(क) हिन्दी महाकाव्य की परंपरा में 'कामायनी' के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'राम की शक्तिपूजा' कविता की मूल संवेदना पर विचार कीजिए।

(ग) "गीति काव्य की सर्वश्रेष्ठ कवयित्री महादेवी हैं।" इस कथन की पुष्टि कीजिए।

(घ) "पंत प्रकृति के विलक्षण कवि हैं।" सोदाहरण विवेचना कीजिए।